देखते ही स्तब्ध रह गया।

एक छोटा सा फोटो - कई यादों का फोटो

डिसंबर का एक ठंडी रात। ~~था~~ पूरा आसमान तारों से भरा था। चाँद भी बहुत सुंदर थी। बालू छत के ऊपर लैटकर तारों को देख रहा था। उसका चेहरा चाँदनी में चमक रहा था। उसकी आँखें आँसू से भरा था। उसके हाथ में एक छोटी सी फोटो थी। उस फोटो में एक छोटे से बच्चे का फोटो था। लगभग चार साल का एक प्यारा बच्चा। उस फोटो को देखकर वह रोने ~~ल~~ लगा। वो कई ~~चिंता~~ सोचों में खो गया।

बालू एक गरीब लडका था। वे दस्वी कक्षा का छात्र था। उसके पिता एक किसान था और उसके माता उसके पिता को काम में मदद करनेवाली थी। उसको एक छोटा भाई था। उसका नाम था छोटू। लेकिन अब वह उनके साथ नहीं रहा। किसी को पता नहीं कि उसको क्या हुआ।

बालू उस बुरे दिन के बारे में सोचने लगा। गाँव में मेला चल रही थी। सब लोग मेला में जा रही थी। ~~लेकिन~~ ~~तब~~ बालू को भी जाने का मन था। उसके सभी दोस्त जा रहे थे, तो बालू ने उनके साथ जाने का सोचा। कुछ ज़िद्दू करने के बाद बालू ने माँ-बाप को मना लिया। लेकिन उसे उसके भाई को भी ले जाना पडा।

बालू अपने भाई और दोस्तों के साथ मेला में गया। वहाँ बहुत सारे दृश्य थे जो बालू ने आज तक नहीं देखा था। ~~[illegible]~~ आसमान को छूने वाली झूला, तेजी से चलता हुआ छोटा ~~[illegible]~~ ट्रेयिन, कई तरह के खाने, अच्छा संगीत, भयानक नाटक, मनोहर ~~नृत्~~ नृत्त आदि वहा था। यह सब देखकर बालू को लगा की वह कोई अतभुत दुनिया में आया है। वे अपने ~~दोस्त~~ दोस्तों के ~~साथ~~ ~~सब~~ ~~जगह~~ ~~गया~~ और भाई के साथ सब जगह गया और सब का आस्वादन किया।

जब छोटू ऐस क्रीम के लिए रोने शुरू

किया तब बालू वह खरीदने चला। उसने छोटू का पसंदिता चोक्लेट ऐस क्रीम खरीदा। जब वह लोटा तब वह चौक गया। छोटू वहा नहीं था। उसके हाथ से वो ऐस क्रीम गिर गया। वो अपने दोस्तों के साथ उस मेले के हर एक कोना ढूँढा लेकिन कोई फल नहीं मिला। मेले में सब जगह बालू की 'छोटू-छोटू' का स्वर बज रहा था। उसको पता नहीं की अब क्या करना है। उसको दिल टूटने जैसा लगा। वो वहाँ ~~बैठ~~ बैठकर रोने लगा। उसके दोस्तों उसको मनाने का कोशिश किया, लेकिन कोई फल नहीं था।

यह खबर सुनकर बालू के माँ-बाप वहाँ पहुँचा और बालू को कई देर ~~डा~~ डाँटा। फिर वे ~~भी बालू के साथ रोने लगा। एकबार~~ मेले में छोटू को ढूँढने का कोशिश किया। लेकिन छोटू को नहीं मिला। अगला दिन पुलिस भी उनकी तरफ से छोटू का खोज किया। एक हफ्ते के लिए केस ढंग से चला लेकिन

अधिक सूचना न मिलने पर पुलिस ~~भी~~ छोटू की खोज छोड दिया।

इस सब का जिम्मेदारी बालू स्वयं अपने ~~कंधे पर~~ शिर पर लगा दी। बालू तारों को देखकर कहने लगा, "मैं भी एक छोटा लड़का था, लेकिन उससे क्या ~~फर्क~~ फर्क पड़ता है। मुझे अपने भाई का अच्छे से ~~देखभा~~ देखभाल करना था। मे उसमे असफल रहा। मे कितना बुरा भाई हूँ। बेचारा मेरा छोटू। वो कितने खबरा गए होंगे। अरे छोटू, इस भैया को माँफ कर। मुझे पता है, मेरा भाई जहाँ भी होगा सही सलामत होगा। जल्दी घर लौट आओ छोटू। यहाँ सब तुम्हारा इंतजार कर रहे है।"

इतना कहकर उसके आँखों से आँसू का बारिश बरसने लगा। उसका दिल पश्चाताप से भरा। यही वह पिछले दो साल से कर ~~रहे~~ रहे है। रात के अंधकार मे वो ऊपर आकर उसके मन की दुख चाँद और

तारों से कहते है और उसके भाई के फोटो को अपने दिल के पास रखकर सोता है। उसके माता-पिता ~~उ~~ उसके बिस्तर में ~~लौ~~ लैटाने का कोशिश करता है, लेकिन वो सिर्फ घर के ऊपर ही सोता है। दो साल से यही उसका आदत है। ~~वै~~ वो अपने भाई के फोटो के साथ नींद में खो जाता है। उसके बिना वह सो नही सकता।

चाँद धीरे नीचे गया और सूरज धीरे ऊपर आया। ~~ब~~ ~~सूर्य~~ सूरज के किरणों बालू के चेहरे को छूकर उसे जगा दिया। बालू धीरे उठा और निचे आया। माँ का बनाया हुआ नाश्ता खाकर वो स्कूल के लिए निकल पडा।

रास्ते में उसने एक ~~ऐ~~ ऐस क्रीम की ~~गाड़~~ गाडी देखा। चोक्लेट ऐस क्रीम का गंध उसके मूँ में घुस गया। अचानक उसे मेला की याद आया और उदास होने लगा। तभी ~~उ~~ बालू ने गाडी के पीछे एक छोटे बच्चे को देखा। उस बच्चे को देखकर उसे उसका भाई छोटू की

याद आई। उस बच्चे को देखकर बालू को बुरा लगा। वह अवश थे। खाने की कमी से वो बिल्कुल पतली थी।

"सुबह तुमने कुछ खाया क्या?" बालू ने उस लड़के से पूछा। "नहीं भैया" उसने उसकी टूटी आवाज़ से कहा। "क्यूँ नहीं खाया?" बालू ने फिर से पूछा। "खाने के लिए कुछ नहीं मिला भैया" - उसने जवाब दिया। बालू को उसकी मासूमियत भरी जवाब सुनकर बहुत दुख हुआ।

"चलो मुझे एक ऐस क्रीम दे दो"। बालू उस लड़के से कहा। "कौन सा चाहिए भैया?" लड़के ने पूछा। "तुम्हें जो पसंद है दे दो। लड़का जल्दी से चोक्लेट की बक्से से ऐस क्रीम कोण में डाल दिया और बालू को दिया। बालू ऐस क्रीम के पैसे देकर वो ऐस क्रीम उस लड़के को ही लोटा दिया। यह देखकर लड़के का आँख और मन भर गया। वह बहुत खुशी से ऐस क्रीम खाने

लगा। ~~तभी~~ बालू उस लड़के को खाते हुए देख रहे थे। उसकी खुशी देखकर बालू भी खुश हो गए।

तभी बालू ने लड़के के पोकट में कुछ देखा। उसे आकांक्षा हुआ कि वह क्या है। उसने उस लड़के से वह दिखाने को कहा। वह लड़का उसके पोकट से उस चीज़ बालू को दिया। ~~वह एक फोटो था। बालू के पास भी था वह फोटो। बालू रोज रात उस फोटो को देखकर रोते थे और उसके साथ सोते थे। वो उसके छोटू के फोटो थी। बालू उस लड़के को आँसू भरी आँखों से देखा और ज़ोर से बोला "छोटू....."~~

उसे देखकर बालू स्तब्ध रह गया। उसके आँख आँसू से भरा। वह ज़ोर से पुकारा "छोटू............"

यह देखकर वो लड़का उसके पास आया और बोला "भैया..........."

बालू छोटू को उठाकर खुशी से घुमा दिया । दोनों खुशी से रोने लगा । यह बालू के जीवन का सबसे अच्छा दिन था । उसे उसका ~~अमूल्य~~ अमूल्य धन मिला । छोटू को लेकर बालू घर तक दौड़ा । छोटू को देखकर उसके माँ और पापा को भी अत्यंत खुशी मिला । यह उन चारों का नया जन्म था । आगे बालू छोटू के लिए एक अच्छा भाई था ।